ISSN 0975-850X
(Impact Factor 4.375)

अतिथि सम्पादक :
डॉ. एम. फ़ीरोज़ अहमद

अनुसंधान

(त्रैमासिक शोध पत्रिका)

Peer Reviewed International Journal

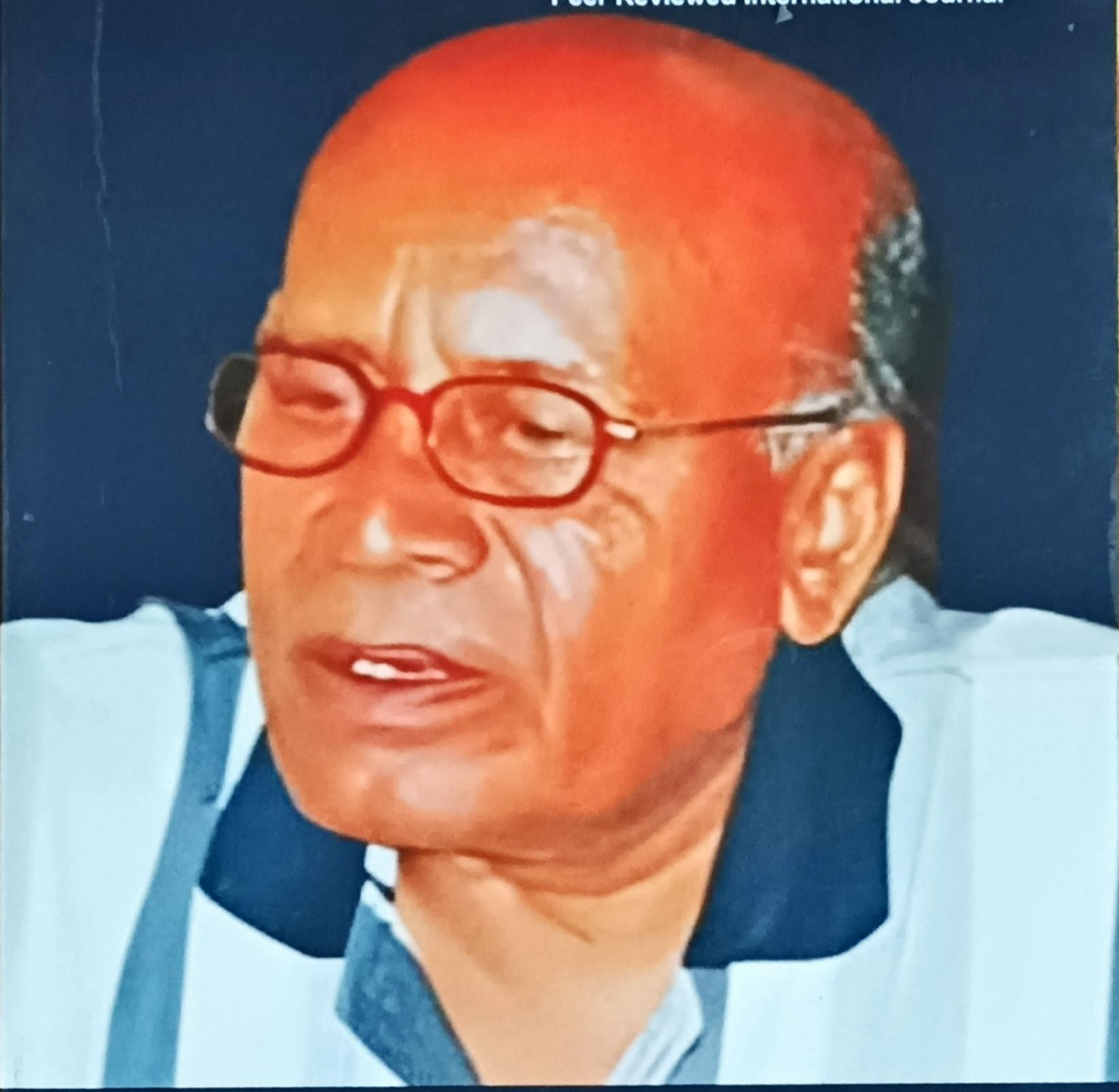

कथाकार नफ़ीस आफ़रीदी पर केन्द्रित अंक

12. 'दूसरी दुनिया' में अभिव्यक्त मुस्लिम संस्कारों का नयापन/104
डॉ. जितेश कुमार
13. मध्यवर्ग की विसंगतियों का अद्‌भुत कथाकार : नफ़ीस आफ़रीदी/110
प्रो. राधेश्याम सिंह
14. नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों में मानवीय सरोकार
(संदर्भ-बाबू की बगिया कहानी-संग्रह)/120
ललिता यादव
15. 'बाबू की बगिया' में उपेक्षित भावनओं से उत्पन्न हीनताबोध/126
डॉ. रेनू यादव
16. पारिवारिक-सामाजिक रिश्तों की सीमाओं को विस्तार देती
नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियाँ/133
डॉ. कुलभूषण मौर्य
17. अनछुए सामाजिक पक्षों को उभारती नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियाँ/141
डॉ. सुशील कुमार
18. उपेक्षित मन की गिरह खोलती कहानियाँ/148
(संदर्भ-क़िस्सा-दर-क़िस्सा कहानी-संग्रह)
सुधा जुगरान
19. रिश्तों की गाँठे खोलती कहानियाँ/156
(संदर्भ-क़िस्सा-दर-क़िस्सा कहानी-संग्रह)
डॉ. प्रीति सिंह
20. नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों का सामाजिक अवबोध/166
डॉ. चंद्रकांत सिंह
21. नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों में निम्न-मध्यवर्गीय जीवन संघर्ष/174
आशीष कुमार मौर्य
22. 'अग्निकुण्ड' : मुस्लिम स्त्रियों की व्यथा-कथा/181
प्रियंका मौर्य

खण्ड- ग (विविध)

23. हिंदी साहित्य का अर्चित पक्ष और नफ़ीस आफ़रीदी का रचनाकर्म/189
डॉ. योगेंद्र सिंह
24. इंटरव्यू/198

नफ़ीस आफ़रीदी की कहानियों का सामाजिक अवबोध

डॉ. चंद्रकांत सिंह

हिंदी साहित्य अत्यंत विपुल एवं समृद्ध रहा है, इसे बृहद रूप प्रदान करने में कतिपय कथाकारों का योगदान है। बात यदि मुस्लिम साहित्यकारों की करें तो उनके लेखन एवं प्रदेय का अपूर्व विस्तार है किन्तु यह अत्यंत दुःखद है कि कुछ एक मुस्लिम रचनाकारों पर बात हुई है किन्तु बहुत से आज भी अनाम एवं अदृश्य हैं। ऐसे विरले साहित्यकारों में नफ़ीस आफ़रीदी अहम् हैं जिन्होंने विपुल साहित्य लिखा और जिन पर आलोचकों-सर्जकों की निगाह कम ही गई है। अत्यंत धीमी गति के साथ आपने उपन्यास, कहानियाँ, नाटक, बाल-लेखन आदि किया। यह आपके शब्दों का जादू ही है कि आपके उपन्यास 'खुले हुए दरीचे' को उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा पुरस्कृत किया गया, यही नहीं आपके कहानी-संग्रह 'मिट्टी का माधो' पर टेलीफ़िल्म भी बनी। आवश्यकता इस बात की है कि आपके कथा-साहित्य की व्यवस्थित समीक्षा हो और नाटकों आदि का राष्ट्रीय स्तर पर मंचन हो तब कहीं जाकर आपके साहित्यिक अवदान के साथ न्याय हो सकेगा। नफ़ीस आफ़रीदी प्रेमचंद की कहानी परंपरा के बड़े हस्ताक्षर दिखाई पड़ते हैं। प्रेमचंद की प्रारंभिक कहानियों में आदर्श का पुट अधिक है और यथार्थ की उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। नफ़ीस जी की कहानियाँ यथार्थ का आर्तनाद हैं जिन्हें पढ़ते हुए प्रेमचन्द याद आते हैं किन्तु यथार्थ को कहने का उनका ढंग प्रेमचंद की तरह नहीं है। इसका बड़ा कारण है कि नफ़ीस आफ़रीदी स्वतंत्रता के बाद के जीवन को ध्वनित करने वाले महत्त्वपूर्ण कथाकार हैं यही वजह है कि उनकी कहानियों में लोभ-लिप्सा, स्वार्थ-कामना, जीवटता-संघर्ष आदि का लंबा वितान है जिसे वह पूरी त्वरा से कहानियों में साधते हुए चलते हैं। उनकी कहानियों में आधुनिक मानव की समीक्षा दिखाई पड़ती है, कहानियाँ तिक्त यथार्थ को रखती हैं और मनुष्य को संवेदनशील बनाए रखने का पुरजोर आग्रह भी करती हैं। उनकी कहानियों को मनुष्य के औसत सुख-दुःख से उपजी कहानियाँ कह सकते हैं किंतु इन कहानियों का क्षितिज विस्तीर्ण है। जीवन के संघर्षों, जटिलताओं आदि से बनी हुईं ये कहानियाँ मनुष्य को सतत् संघर्ष करते हुए दर्शाती हैं। कहानियों को पढ़ते हुए यह कहा जा सकता है कि नफ़ीस आफ़रीदी के लिए कहानी लिखना कल्पना करना या इधर-उधर की बातें करना नहीं है और न ही उनकी कहानियाँ